प्रतिदर्श प्रश्नपत्र– 2024

कक्षा–10

हिन्दी (001)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देशः (i) इस प्रश्न–पत्र में दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिये। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड–अ

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये–** 7

वर्तमान शिक्षा प्रणाली जीवन के लिए घोर अभिशाप सिद्ध हो रही है। शिक्षा मनुष्य को सुसंस्कृत एवं स्वाबलम्बी बनाने का साधन होनी चाहिए, किन्तु वर्तमान शिक्षा में यह गुण नहीं है। आज का सुशिक्षित युवक–वर्ग न केवल दूसरों के लिए, बल्कि स्वयं अपने लिए भी दुःखदायी बन रहा है। देश में बेरोजगार इंजीनियरों, वकीलों, वैज्ञानिकों व डॉक्टरों की विशाल संख्या देश के लिए अभिशाप बन गयी है। शिक्षा ने उनमें 'सादा जीवन, उच्च विचार' और सेवावृत्ति उत्पन्न नहीं की, अन्यथा वे गाँवों को स्वर्ग बनाकर राष्ट्रहित कर पाते और देश की सच्ची सेवा कर पाते।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में नगरोचित तत्वों की प्रधानता है, जबकि भारत माता ग्रामवासिनी है। ग्राम–विकास की योजनाओं को शहरी शिक्षण तत्व कैसे पूरा कर सकते हैं? उल्टा इससे गाँव की ओर से विमुखता ही जागृत हुई है।

भारत जनतंत्र का उपासक है। यह जीवन शैली भारत ने अपनाई है। यह जनता की शिक्षा का माध्यम जनता की भाषा होनी चाहिए। विदेशी भाषा के माध्यम से भारत का नागरिक विदेशी आचार–विचार, रहन–सहन, जीवन पद्धति, सभ्यताओं व संस्कृति ही ग्रहण करेगा। हम उपनिषदों और वेदों का आदर इसलिए नहीं करते कि वे हमारे दर्शन ग्रंथ हैं, ज्ञान के आगार हैं, अपितु इसलिए करते हैं कि मैक्स–मूलर अैर ब्लावेट्स्की ने इनकी प्रशंसा की है। हम अपने दर्शन–ग्रंथों को संस्कृत में नहीं, अंग्रेजी के माध्यम से पढ़कर गौरवान्वित होते हैं।

प्रश्न–

(1) वर्तमान शिक्षा प्रणाली जीवन के लिए घोर अभिशाप कैसे सिद्ध हो रही है? 2

(2) वर्तमान शिक्षा प्रणाली ने युवक–वर्ग पर क्या प्रभाव डाला है? 2

(3) वर्तमान शिक्षा प्रणाली में किन तत्वों की प्रधानता है? 1

(4) शिक्षा का माध्यम जनता की भाषा ही क्यों होनी चाहिए? 1

(5) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

Downloaded from cclchapter.com

2. दिये गये संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए– **8**

(क) हमारी राष्ट्रीय एकता
(1) प्रस्तावना
(2) राष्ट्रीय एकता–अखण्डता की आवश्यकता
(3) राष्ट्रीय एकता का वर्तमान स्वरूप
(4) राष्ट्रीय एकता में छात्र की भूमिका
(5) उपसंहार

(ख) छात्र अनुशासन
(1) अनुशासन का अर्थ
(2) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की आवश्यकता
(3) विद्यालयों में अनुशासन की स्थिति
(4) विद्यार्थी के जीवन निर्माण में अनुशासन का महत्व
(5) उपसंहार

3. आपके क्षेत्र में बिजली संकट है। प्रायः लोग बिजली चोरी करते हैं। इस संदर्भ में एक शिकायती पत्र उक्त विभाग के अधिशासी अभियन्ता को लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क, ख, ग है) **4**

अथवा

आपका मित्र बोर्ड की परीक्षा में मैरिट सूची में प्रथम स्थान पर आया है। उसे बधाई पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क, ख, ग है)

4. निम्नांकित खण्ड 'क' एवं 'ख' में क्रियापद छाँटकर उनके भेद लिखिए– **1X2=2**
(क) छात्र विद्यालय जा रहे हैं।
(ख) लता रो रही है।

यथा निर्देश उत्तर दीजिए– **1X2=2**
(ग) मोहन ने सफेद कमीज पहनी है। (विशेषण छाँटकर लिखिए)
(घ) समय पर विद्यालय पहुँचो अन्यथा देर हो जायेगी। (समुच्चयबोधक)

5. निम्नांकित का यथा निर्देश उत्तर दीजिए– **1X4=4**
(क) रामू ने एक घड़ी खरीदी। (निषेधात्मक वाक्य में बदलिए)
(ख) अध्यापक द्वारा हिन्दी पढ़ाई गयी। (कर्तृवाच्य में बदलिए)
(ग) मैंने अपना पाठ याद कर लिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)
(घ) वह घर गया और सो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

6. (क) निम्नलिखित में कौन सा शब्द 'पानी' का पर्यायवाची नहीं है– **1**
(1) वारि (2) तोय (3) अंबु (4) पाणि
(ख) निम्नलिखित में से 'सूर्य' का अर्थ छाँटकर लिखो– **1**
(1) राकेश (2) विधु (3) अंशुमाली (4) व्योम

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2X2=4**

Downloaded from cclchapter.com

(i) हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन–क्रम–बचन नन्द–नन्दन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यों करूई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आये, देखी, सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै! सौपो, जिनके मन चकरी।

प्रश्न– (क) गोपियों द्वारा 'हारिल की लकरी' किसे कहा गया है?
(ख) गोपियों को 'करूई ककरी' की तरह क्या लगता है?
(ग) उक्त काव्यांश के कवि कौन हैं? पाठ का नाम भी लिखें।

(ii) तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लगे शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाये नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष!

प्रश्न– (क) कवि एवं कविता का नाम लिखिए।
(ख) मृतक में कौन जान डाल देगी?
(ग) मृतक में जान डाल देने का आशय स्पष्ट कीजिए।

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **2X2=4**
(क) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष टूट जाने के कौन–कौन से तर्क दिये?
(ख) 'आत्मकथ्य' कविता में स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?
(ग) 'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

9. (क) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है? **1**
(ख) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएं बताई हैं? **1**

10. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये–** **2X2=4**
(i) बाल गोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। वे हर वर्ष गंगा–स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते, जितना संत–समागम और लोक–दर्शन

Downloaded from cclchapter.com

पर पैदल ही जाते। करीब तीस कोष पर गंगा थी। साधु को सम्बल लेने का क्या हक? और गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों मांगे? अतः घर से खाकर चलते तो फिर घर पर लौटकर ही खाते। रास्ते भर खँजड़ी बजाते, गाते जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार–पाँच दिन आने–जाने में लगते, किन्तु इस लम्बे उपवास में भी वही मस्ती। अब बुढ़ापा आ गया था, किन्तु टेक वही जवानी वाली।

(क) भगत जी प्रति वर्ष गंगा स्नान के लिए क्यों जाते थे?
(ख) बाल गोबिन भगत की आस्था किस पर थी?

(ii) आग का अविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई–धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा हो। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है, जिसका तन ढका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया रात को जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती, क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है? पेट भरने और तन ढकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नहीं है। पेट भरा और तन ढका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किन्तु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है, जिन्होंने तथ्य विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नहीं, बल्कि उनके अपने अन्दर की सहज संस्कृति के ही कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का एक ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

(क) आग का आविष्कार किस प्रेरणा के कारण हुआ?
(ख) रात के तारों को देखकर न सो सकने का आशय स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **2X2=4**

(क) बाल गोबिन की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?
(ख) ''एक कहानी यह भी'' नामक पाठ में लेखिका के पिता ने रसोई को भटियार खाना कहकर क्यों सम्बोधित किया?
(ग) लेखक ने फादर बुल्के को 'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?

12. (क) बाल गोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के लिए अचरज का कारण क्यों थी? **1**
(ख) सेनानी न होते हुए भी लोग चश्मे वाले को कैप्टन क्यों कहते थे? **2**

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2X3=6**

(क) लोंग स्टाक में घूमते चक्र को देखकर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक सी क्यों लगी?

Downloaded from cclchapter.com

(ख) 'माता का अँचल' पाठ में आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता था?

(ग) गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा जाता है?

(घ) बच्चे माता–पिता के प्रति अपना प्रेम कैसे व्यक्त करते हैं? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए।

खण्ड–ब

14. अधोलिखित गद्यांश पठित्वा त्रीन् प्रश्नान् पूर्ण वाक्येन उत्तरत्– **2X3=6**

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

प्रतिदिनम् अत्र सान्ध्यवेलायां गंगादेव्याः आरार्तिकस्य दृश्यम अतीव मनोहरं भवति। यदा जनाः पावने गंगाजले दीपार्पणं कुर्वन्ति, सन्धयावंदनं पुष्पार्चनं कुर्वन्ति तदा तत्र अद्वितीया ज्योतिष्मती शोभा विराजते।

हरिद्वारम् मन्दिराणां महताम् आश्रमाणां संगम स्थली अपि अस्ति। अत्र मनसा देवी मंदिरं, चण्डी देवी मंदिरम्, विल्वकेश्वर मंदिरं, माया देवी मंदिरं ब्रह्मकुण्डं, कुशाव्रतम् इत्यादीनि अनेकानि पौराणिक स्थलानि सन्ति।

(1) कस्य दृश्यम् अतीव मनोहरं भवति?

(2) कदा तत्र अद्वितीया ज्योतिष्मती शोभा विराजते?

(3) जनाः कुत्र दीपार्पणं कुर्वन्ति?

(4) हरिद्वारे कानि प्रमुखानि पौराणिक स्थलानि सन्ति?

15. अधोलिखित पद्यांश पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्ण वाक्येन उत्तरत्– **2X2=4**

(निम्नलिखित पद्यांशं को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

रात्रि गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं,
भास्वानुदेष्यति हसिस्यति पउ्कजालिः।।
इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे,
हा हन्त! हन्त! नलिनी गज उज्जहारः।।

(1) सुप्रभातम् कदा भविष्यति?

(2) पङ्जालिः कदा हसिस्यति?

(3) गजः कान् उज्जहारः?

16. पठित पाठाधारितान त्रीन प्रश्नान पूर्ण वाक्येन उत्तरत्– **2+2+2=6**

(पठित पाठों के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के पूर्ण उत्तर दीजिए।)

(क) कस्य अंचले हरिद्वार नगरं शोभते?

(ख) चौराः कां प्रतिज्ञाम् कृतवन्तः?

(ग) कनखल नगरी कस्य राजधानी अस्ति?

(घ) हिमपर्वतस्य पुत्री का?

Downloaded from cclchapter.com

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत्– ½X4=2

(निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची– लज्जा, प्रवहति, चन्द्रगुप्तस्य, सत्ये, मन्दिराणाम् निर्मलम्।

(क) गंगा हिमालयात् .... ।

(ख) चाणक्यः .... मंत्री आसीत।

(ग) इदं श्रुत्वा चौरेषु .... उत्पन्ना।

(घ) हरिद्वारं .... नगरं अस्ति।

(ड़) .... सर्व प्रतिष्ठितम्।

(च) येषां हृदयं .... भवति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं चत्वारि प्रश्नान उत्तरत– 1X4=4

(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार केवल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) सन्धि कुरूत (सन्धि कीजिए)–

भो + अनः, सदा + एव

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद करो)–

स्वागतम्, नायकः

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरूत

(समास विग्रह कर समास् का नाम लिखिए)–

बाणविधः, प्रतिदिन

(घ) अधोलिखित पदेभ्यः उपसर्गान पृथक कृत्वा लिखतः–

(निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए)

विहरति, अनाधिकारः

(ड़) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत–

(कोष्ठक में दिये गये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)

(i) मानवं पुत्रवत् .... तारयन्ति। (वृक्षाः / पुत्राः / पुण्यः)

(ii) दुखं बिना नैव .... बोधः। (सुखस्य / प्रेम्ण / पापस्य)

19. निम्नांकित शब्द सूचीतः चतुर्णाम् शब्दानां वाक्य प्रयोगं कुरूत– 1X2=2

(निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)

(क) कुत्र (ख) पठामि (ग) सन्ति (घ) वयं (ड़) गच्छन्ति (च) पठेत्

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरूत–

(निम्नलिखित वाक्यों में से दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)

(क) रमा पत्र लिखती है। (ख) हम विद्यालय जायेंगे।

(ग) मैंने पुस्तक पढ़ी।

*****

Downloaded from cclchapter.com